हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 4 मई 2026

7 सिरसा पहुंची हनुमान जी की विशाल गदा यात्रा

8 दिनभर चली तेज हवाओं और आंधी से लू के तेवर पड़े ढीले

जिले में गोदाम फुल, खैरातीखेड़ा रोड पर खुले आसमान के नीचे रखी जा रही गेहूं की बोरियां

■ न शेड, न तिरपाल, बारिश की आशंका के बावजूद अधिकारी बेपरवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला में गेहूं खरीद का कार्य अंतिम चरण में है। अब तक जिले में 7 लाख 27 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। जिसमें खरीद एजेंसियों ने 5 लाख 34 हजार मीट्रिक टन की लिफ्टिंग कर ली है जबकि करीब 2 लाख एमटी गेहूं अब भी खुले में पड़ा हुआ है। रविवार तक जिले की मंडियों से 73.50 प्रतिशत गेहूं की लिफ्टिंग हो चुकी थी लेकिन इसके बावजूद भी किसान व आढ़ती भयभीत है। दरअसल मौसम विभाग ने 5 मई तक मौसम खराब होने की संभावना

फतेहाबाद। खैरातीखेड़ा रोड पर खुले में पड़ी गेहूं की बोरियां। फोटो : हरिभूमि

जता रखी हैं। दूसरी ओर खरीद एजेंसियों के पास गेहूं रखने के लिए गोदाम ही नहीं हैं। इस समय खैरातीखेड़ा रोड पर डीएफएससी की गेहूं का भंडारण खुले में किया जा रहा है जोकि जिला प्रशासन के लिए चिंता का विषय है। हालांकि प्रशासन द्वारा मंडियों से गेहूं उठान में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि शेष स्टॉक जल्द से जल्द गोदामों तक पहुंचाया जा सके और मंडियों में जगह की समस्या न बने। खास बात यह है कि खैरातीखेड़ा रोड पर खुले प्लाट में रखी जा रही बोरियों को कवर करने के लिए तिरपाल तक नहीं है। इस मामले में प्रशासन की लापरवाही स्पष्ट देखी जा सकती है।

मिली जानकारी के अनुसार, जिले में अब तक 7,23,410 मीट्रिक टन खरीद हो चुकी थी। वहीं उठान की बात करें तो पिछले दिन तक 5,09,861 मीट्रिक टन उठान हो चुका था, जबकि एक दिन में 24,518 मीट्रिक टन गेहूं उठाया गया। इसके साथ कुल उठान बढ़कर 5,34,379 मीट्रिक टन हो गया है। हालांकि अभी भी 1,92,689 मीट्रिक टन गेहूं का उठान बाकी है। प्रशासन ने संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि उठान प्रक्रिया को और तेज किया जाए, ताकि किसानों और आढ़तियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

एजेंसियों की खरीद, लिफ्टिंग और भुगतान : एजेंसियों के प्रदर्शन पर नजर डालें तो हैफेड ने 3,12,291 मीट्रिक टन खरीद के मुकाबले 2,39,457 मीट्रिक टन उठान कर लगभग 77 प्रतिशत प्रगति दर्ज की है। फूड एंड सप्लाई ने 1,73,225 मीट्रिक टन खरीद के मुकाबले 1,22,690 मीट्रिक टन उठान किया, जो करीब 71 प्रतिशत है। एफसीआई द्वारा 2,27,559 मीट्रिक टन खरीद के मुकाबले 1,62,447 मीट्रिक टन उठान किया गया। अन्य एजेंसियों का प्रदर्शन भी 70 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है। भुगतान की स्थिति भी संतोषजनक बताई जा रही है। जिले में अब तक किसानों को 1265.38 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से किसानों के खातों में राशि सीधे भेजी जा रही है।

पिछले वर्ष से अधिक हुई खरीद : पिछले वर्षों के आंकड़ों से तुलना करें तो इस बार खरीद का आंकड़ा मजबूत स्थिति में पहुंच चुका है। वर्ष 2020-21 में 7,12,551 मीट्रिक टन, 2021-22 में 6,96,461 मीट्रिक टन, 2022-23 में 4,29,641 मीट्रिक टन, 2023-24 में 6,14,656 मीट्रिक टन, 2024-25 में 7,01,641 मीट्रिक टन और 2025-26 में 6,61,485 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई थी। मौजूदा सीजन में खरीद पहले ही 7 लाख मीट्रिक टन का आंकड़ा पार कर चुकी है, जिससे यह सीजन बेहतर माना जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि आने वाले दिनों में उठान और तेज किया जाएगा, ताकि मंडियों में जमा शेष गेहूं का जल्द निस्तारण हो सके।

'हरिभूमि' ने पहले ही अधिकारियों को चेताया था

फतेहाबाद जिला में हैफेड, हरियाणा वेयर हाऊस, हरियाणा एग्रो व एफसीआई के गोदाम है लेकिन सीजन से पहले ही इन गोदामों में चावल भरा हुआ था। हरिभूमि ने अपनी रिपोर्ट में पहली ही चिंता जताई थी कि गेहूं सीजन के दौरान गेहूं भंडारण के लिए गोदामों में जगह नहीं मिलेगी। अब वही हालात नजर आ रहे हैं। चारों खरीद एजेंसियों के गोदाम गेहूं से लबालब भर गए हैं। अब खरीद एजेंसियां खुले में गेहूं का भंडारण करने को मजबूर है। रविवार को खैरातीखेड़ा रोड पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम ने खुले में गेहूं की अनलोडिंग करवाई गई। यहां पर देखा गया कि गेहूं की हजारों बोरियां खुले आसमान के नीचे पड़ी है। न ही इन पर कोई तिरपाल और न ही शैड, ऐसे में बारिश होने की स्थिति में गेहूं का भीगना लाजमी है।

खबर संक्षेप

गांजा तस्करी मामले में मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में सप्लाई चेन का पीछा करते हुए मुख्य आरोपी को दबोचा है, जिससे पहले इस केस में एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी हो चुकी है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि पुलिस टीम हुड्डा सेक्टर-3 के टी-पॉइंट के पास गश्त पर तैनात थी।

बाइक रिपेयर की दुकान में आग, लाखों का नुकसान

डबवाली। शहर के चौटाला रोड़ पर दुकान में आग लगने से लाखों रुपए का सामान जल कर राख हो गया है। मौके पर दमकल गाड़ी पहुंची और आग पर काबू पाया गया। दुकान संचालक हरीश सेठी ने बताया कि बाइक रिपेयर का काम करता है। रात कुछ लोगों ने उसकी दुकान से धुआं उठते देखा तो फायर ब्रिगेड को सूचित किया। सूचना मिलने पर वह भी मौके पर पहुंचा तो दुकान में आग लगी हुई थी। उसने बताया कि दमकल कर्मचारियों ने आसपास के लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। उसने बताया कि इस आगजनी में उसे करीब तीन लाख रुपये का नुकसान हो गया है।

संगत ने किया नाम का सिमरन

रतिया। गांव नथवान के गुरुद्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब अंगीठा साहिब में नाम अभ्यास सिमरन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के आगे बड़ी संख्या में संगत नतमस्तक हुई। इस दौरान सेवादारों ने संगत को वाहेगुरू गुरुमंत्र का अभ्यास करवाया गया और कहा कि संगत को परमात्मा के नाम का सिमरन करना चाहिए और हमेशा अच्छे काम करना चाहिए। सेवा और सिमरन हमेशा करते रहना चाहिए। सेवादारों ने बताया कि गुरुद्वारा साहिब में समय-समय पर नाम सिमरन समागम का आयोजन किया जाता है। इस मौके पर संगत के लिए लंगर चलाया गया।

पुलिस ने 442 बोतल अवैध शराब सहित पांच दबोचे

सिरसा। पुलिस ने जिले में अलग-अलग स्थानों से अवैध रूप से रखी गई कुल 442 बोतल देसी शराब बरामद कर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसी कड़ी में शहर थाना पुलिस की सब्जीमंडी पुलिस चौकी ने पटेल नगर सिरसा क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी सन्नी कुमार को 276 बोतल व 450 पव्वा देसी शराब, सिविल लाइन थाना पुलिस की दो पुलिस टीमों ने अलग-अलग जगहों से दो आरोपी मोनू व मिंटू को कुल 27 बोतल शराब, नाथूसरी चोपटा थाना पुलिस ने जमाल क्षेत्र से भीम को 14 बोतल देसी शराब, वहीं रोड़ी थाना पुलिस ने कुरंगावाली गांव से आरोपी बिकर को 13 बोतल शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

27 वार्डों में सफाई ठप, मांगों पर अड़े कर्मचारी, 5 मई तक जारी रहेगा आंदोलन

बाजारों में घट रही रौनक, बढ़ रही दुर्गंध

शहर में कूड़ा संकट गहराया, 3 दिनों से कचरा उठाने नहीं पहुंच रहे टिप्पर

फतेहाबाद। नगरपरिषद में खड़े डोर टू डोर कचरा उठाने वाले टिप्पर।

फतेहाबाद। शहर में लगे कूड़े के ढेर।

फतेहाबाद। रविवार को हड़ताल के दौरान धरने पर बैठे नगरपरिषद कर्मचारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल अब 5 मई तक बढ़ा दी गई है, जिससे पहले से चरमराई सफाई व्यवस्था और अधिक बिगड़ गई है। पिछले कई दिनों से जारी हड़ताल के चलते शहर के 27 वार्डों में कचरा उठान पूरी तरह प्रभावित है और जगह-जगह कूड़े के ढेर जमा हो गए हैं। नगर में प्रतिदिन करीब 40 टन कचरा निकलता है, लेकिन हड़ताल के कारण यह कचरा नहीं उठ पा रहा। नतीजतन सडक़ों, बाजारों और मोहल्लों में गंदगी फैलती जा रही है। हालात यह हैं कि कई इलाकों में कूड़ा सडक़ों तक फैल चुका है, जिससे लोगों का आना-जाना भी मुश्किल हो रहा है। स्थिति को और गंभीर बनाते हुए अब डोर टू डोर कचरा उठाने के लिए चलने वाले टिप्पर भी नहीं पहुंच रहे हैं। कचरा उठान का काम ठप्प होने से शहर की हर गली-मोहल्ले में हालात भयावह हो चले हैं। लोगों का मानना है कि शीघ्र ही हड़ताल न खुली तो क्षेत्र में महामारी फैल सकती है। दरअसल लोगों को अपने घरों में ही कचरा जमा करना पड़ रहा है। कई कॉलोनियों में लोगों ने मजबूर होकर कचरा खाली प्लॉट्स या सडक़ों किनारे डालना शुरू कर दिया है।

शहर के मुख्य बाजार, बस स्टैंड क्षेत्र और रिहायशी कॉलोनियों में गंदगी के कारण दुर्गंध फैल रही है। जवाहर चौक, वाल्मीकि चौक, कबीर बस्ती, पुराने पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जगजीवनपुरा, पुराने बस स्टैण्ड के सामने सहित अनेक स्थानों पर कूड़े के ढेर लगे हैं। जगह-जगह गंदगी फैली हुई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि जल्द सफाई व्यवस्था बहाल नहीं हुई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। लोगों को बीमारियों का डर सता रहा है, क्योंकि कचरे के ढेरों से मच्छर और मक्खियां तेजी से बढ़ रही हैं। व्यापारियों का कहना है कि गंदगी के कारण ग्राहक बाजारों में आने से बच रहे हैं, जिससे व्यापार पर भी असर पड़ रहा है। वहीं आमजन ने प्रशासन से जल्द समाधान निकालने की मांग की है। दूसरी ओर, हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं। कर्मचारी नेताओं ने साफ कहा है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि वे शहर को साफ रखना चाहते हैं, लेकिन लगातार अनदेखी के कारण उन्हें यह कदम उठाना पड़ा है। कर्मचारियों का आरोप है कि वेतन, नियमितीकरण और अन्य सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं। बार-बार मांग उठाने के बावजूद समाधान नहीं होने से वे आंदोलन के लिए मजबूर हुए हैं। उधर, प्रशासन की ओर से अभी तक कोई ठोस वैकल्पिक व्यवस्था नहीं दिखाई दे रही है। हड़ताल लंबी खिंचने की स्थिति में शहर में गंदगी की समस्या और विकराल रूप ले सकती है। यदि जल्द ही प्रशासन और कर्मचारियों के बीच वार्ता कर समाधान नहीं निकाला गया, तो आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं। फिलहाल फतेहाबाद के 27 वार्डों में सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप है और शहरवासी परेशान हैं।

वाहनों की हवा निकालने का आरोप

टोहाना शहर में पिछले तीन दिनों से जारी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल ने अब उग्र रूप धारण कर लिया है। नगर परिषद यूनियन की हड़ताल के चलते जहाङ्ग शहर कूड़े के ढेर में तब्दील हो गया है, वहीं रविवार को हड़ताली कर्मचारियों और डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने वाली निजी एजेंसी के कर्मियों के बीच तीखी झड़प भी देखने को मिली। शहर से कूड़ा उठाने का ठेका लेने वाली 'जय दुर्गा' एजेंसी ने आरोप लगाया है कि हड़ताली कर्मचारियों ने उन्हें काम करने से जबरन रोका। एजेंसी संचालक कुलदीप के अनुसार, रविवार सुबह करीब 6 बजे जब उनके वाहन शिव नंदी गौशाला स्थित डिपो से निकलने लगे, तो प्रदर्शनकारियों ने उन्हें घेर लिया। आरोप है कि हड़ताली कर्मचारियों ने न केवल ड्राइवरों के साथ बदसलूकी की, बल्कि कूड़ा ढोने वाले टिप्परों के टायरों की हवा भी निकाल दी। एजेंसी के कर्मचारी जसवीर ने बताया कि तीन दिनों से काम बंद होने के कारण हमारे सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

कर्मचारियों की मुख्य मांगें

हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों की मांग है कि ठेका प्रथा को पूरी तरह समाप्त कर सभी विभागों में पक्की भर्ती की जाए। कच्चे कर्मचारियों को जल्द से जल्द पक्का किया जाए। कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये तय हो। पुरानी पेंशन योजना को तुरंत बहाल किया जाए। फरीदाबाद अग्निकांड में शहीद हुए कर्मचारियों के परिवारों को आर्थिक सहायता और सरकारी नौकरी दी जाए। इसके अलावा अन्य मांगों को भी बातचीत के जरिए जल्द पूरा किया जाए। हड़ताल की अवधि बढ़ने से शहरवासियों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश

■ दो गिरफ्तार, राजस्थान, पंजाब व हरियाणा में की वारदातें

डबवाली। पुलिस ने अंतरराज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वाहन भी बरामद किए हैं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान पंजाब के फाजिल्का निवासी मनजीत सिंह व मक्खन सिंह के रूप में हुई है। डीएसपी योगेश कटारिया ने रविवार को पत्रकार वार्ता में इसका खुलासा करते हुए बताया कि आरोपियों ने राजस्थान, पंजाब व हरियाणा में कई वारदातों को अंजाम देने की बात कबूल की है। डीएसपी ने बताया कि डबवाली निवासी विकास कुमार कुमार की शिकायत पर पुलिस ने बाइक चोरी का मामला दर्ज किया था। जांच के

सिरसा। चोरीशुदा मोटरसाइकिलों समेत पकड़े गए गिरोह के सदस्य।

दौरान महत्वपूर्ण सुराग जुटाकर पुलिस ने मनजीत सिंह व मक्खन को को पंजाब के फाजिल्का क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने डबवाली क्षेत्र के अलावा पंजाब व राजस्थान क्षेत्रों में बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है।

दौलतपुरिया ने दुड़ाराम को घेरा, कहा : 'जमीर बचा है तो रेखा शर्मा से माफी मंगवाएं'

■ भजनलाल पर की टिप्पणी को लेकर प्रदेश में राजनीति में उबाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा की राजनीति के दिग्गज दिवंगत नेता चौधरी भजनलाल पर भाजपा सांसद रेखा शर्मा द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर प्रदेश की राजनीति में उबाल आ गया है। फतेहाबाद से कांग्रेस विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ने इस मुद्दे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री के भतीजे और फतेहाबाद

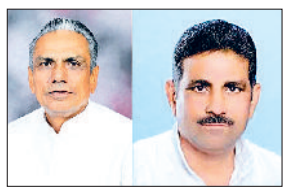

फतेहाबाद। दुड़ाराम व बलवान सिंह दौलतपुरिया।

के पूर्व विधायक दुड़ाराम पर तीखा हमला बोला है। दौलतपुरिया ने भाजपा नेता दुड़ाराम की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए उन्हें रेखा शर्मा की टिप्पणी का 'बराबर का गुनहगार' करार दिया।

रविवार को अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया ने बेहद तल्ख तेवर अपनाए। उन्होंने दुड़ाराम का नाम लिए बिना कहा कि जिस व्यक्ति ने चौधरी भजनलाल की उंगली पकड़कर राजनीति सीखी और जिनका राजनीतिक वजूद ही उनके नाम से है, वे आज अपने ही परिवार और समाज के अपमान पर चुप बैठे हैं। दौलतपुरिया ने तंज कसते हुए कहा, इतने अपमान के बाद भी दुड़ाराम के मुंह में दही जमी हुई है। यदि उनमें थोड़ी भी जमीर बची है, तो उन्हें भाजपा हाईकमान पर दबाव बनाकर रेखा शर्मा से तुरंत बिना शर्त माफी मंगवानी चाहिए।

भाजपा हाईकमान और प्रदेशाध्यक्ष पर भी निशाना

कांग्रेस विधायक दौलतपुरिया ने न केवल दुड़ाराम, बल्कि भाजपा संगठन को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि सांसद रेखा शर्मा को हरियाणा की भौगोलिक स्थिति, यहां के मिजाज और चौधरी भजनलाल के विराट व्यक्तित्व का कोई ज्ञान नहीं है। उन्होंने अपने पद की मर्यादा को तार-तार किया है। दौलतपुरिया ने आरोप लगाया कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली के रुख से ऐसा प्रतीत होता है जैसे यह रेखा शर्मा का व्यक्तिगत बयान न होकर भाजपा का अधिकृत बयान हो। उन्होंने कुलदीप बिश्नोई को 'फ्रंटलाइन का लड़ाका' बताते हुए कहा कि वे अपने परिवार के सम्मान की लड़ाई बखूबी लडऩा जानते हैं और वे इस मामले में चुप नहीं रहेंगे।

ड्रग विभाग और पुलिस की मेडिकल स्टोरों पर छापामारी

ऐलनाबाद। ड्रग कंट्रोल विभाग व पुलिस की संयुक्त टीमों द्वारा विभिन्न मेडिकल स्टोरों पर औचक छापेमारी कर निरीक्षण किया गया। इस दौरान टीमों ने मेडिकल स्टोरों पर दवाइयों के स्टॉक, रिकॉर्ड तथा बिक्री संबंधी दस्तावेजों की गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मेडिकल संचालकों को सख्त हिदायत दी कि बिना डॉक्टर की अधिकृत पर्ची के किसी भी प्रकार की दवा, विशेषकर नशीली व प्रतिबंधित दवाइयों की बिक्री न करें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि किसी भी मेडिकल स्टोर पर नियमों की अवहेलना करते हुए बिना वैध पर्ची के दवाइयों की बिक्री पाई जाती है, तो संबंधित संचालक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि आमजन के स्वास्थ्य और युवाओं को नशे से बचाने के लिए यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इस संयुक्त कार्रवाई में ड्रग इंस्पेक्टर सुनील, केशव वशिष्ठ, डीएसपी सुभाष चंद्र तथा ऐलनाबाद थाना प्रभारी प्रगट सिंह सहित अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

अपने जिले में केंद्र मिलने से अभ्यर्थियों को राहत, अभिभावक भी संतुष्ट, थ्री-लेयर में हुई चेकिंग

छह केंद्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न हुई नीट परीक्षा, सुरक्षा के रहे पुख्ता प्रबंध

■ अपने जिले में केंद्र मिलने से अभ्यर्थियों को राहत, अभिभावक भी संतुष्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

नीट (यूजी) 2026 परीक्षा रविवार को शहर के छह परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। अभ्यर्थियों को थ्री-लेयर सुरक्षा जांच के बाद ही परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिया गया, जबकि मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस सहित किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहा। परीक्षा केंद्र अपने जिले में मिलने से अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को काफी राहत मिली।

सिरसा। परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थी तथा जांच के बाद केंद्र में प्रवेश करते अभ्यर्थी।

रविवार सुबह 11 बजे से परीक्षा केंद्रों पर एंट्री प्रक्रिया शुरू होनी थी, लेकिन परीक्षार्थी सुबह 10 बजे से ही केंद्रों पर पहुंचने लगे थे। परीक्षा केंद्रों में एंट्री सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक हुई, जबकि परीक्षा का समय दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित था। दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा का समय शाम 6 बजे तक रखा गया। पुलिस प्रशासन की ओर से सभी केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सभी केंद्रों पर एडमिट कार्ड और आधार कार्ड की जांच के साथ अभ्यर्थियों की वीडियोग्राफी भी कराई गई, ताकि परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता बनी रहे। निर्धारित ड्रेस कोड के अनुसार अभ्यर्थी साधारण लोअर-टीशर्ट और चप्पलों में परीक्षा केंद्रों तक पहुंचे, जबकि छात्राओं को रबर बैंड के बिना खुले बालों में प्रवेश दिया गया। केवल पारदर्शी पानी की बोतल अंदर ले जाने की अनुमति रही। शाह सतनाम सिंह जी चौक स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए परीक्षा केंद्र पर गर्मी को देखते हुए टेंट लगाकर छाया की व्यवस्था की गई थी। हालांकि यहां प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित समय से करीब 15 मिनट देरी से शुरू हुई, जिससे कुछ देर के लिए अभ्यर्थियों में असमंजस की स्थिति बनी रही।

धारा 163 लागू, 200 मीटर में पार्किंग भी प्रतिबंधित

अभिभावकों का कहना था कि बाहर जिलों में केंद्र पडऩे से यात्रा, ठहराव और सुरक्षा को लेकर चिंता रहती थी, लेकिन स्थानीय स्तर पर परीक्षा होने से काफी सुविधा मिली है। परीक्षार्थियों को एडमिट कार्ड के साथ दो पासपोर्ट साइज फोटो और एक बड़ी फोटो साथ लेकर जाना अनिवार्य था। परीक्षा के शांतिपूर्ण एवं सफल संचालन के लिए परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 163 लागू रही। सभी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में हथियार लेकर चलना प्रतिबंधित रहा। बिना अधिकृत पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों के 500 मीटर दायरे में फोटोस्टेट की दुकानों और कोचिंग सेंटरों के संचालन पर रोक रही। परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के भीतर वाहनों की पार्किंग भी प्रतिबंधित रही।

कहानी

डा. रमाकांता

युद्ध विभीषिका

वह हर फ्लैट में जाकर लोगों का हाल-चाल पूछ रहा था-किसी को दवा चाहिए, किसी को खाना, कोई अकेला तो नहीं। उसे लगता था कि ऐसे समय में सबसे बड़ी ताकत है एक-दूसरे का साथ।

युद्ध ने इन सब को इस छोटे से बंकर में एक-दूसरे से सट कर रहने को विवश कर दिया, जहां केवल बैठा ही जा सकता था। यहां किसी को किसी के धर्म से ईर्ष्या नहीं।

खाड़ी में बसे उस छोटे-से शहर पर शाम का धुंधलका धीरे-धीरे छा रहा था। दिखने में सब कुछ सामान्य था, लेकिन फिर भी किसी अनहोनी का संकेत प्रकृति दे रही थी। हवा में धूल कण सांसों को घोट रहे थे। सोसायटी में अजीब सा सन्नाटा था, और हर चेहरे पर डर की अदृश्य परत जमी हुई थी। अभी तक यह क्षेत्र शत्रु के निशाने से बचा हुआ था। आसपास के क्षेत्र में सब-कुछ मलियामेट हो चुका था। हर सुबह सकुशल उठ कर भगवान का धन्यवाद करते थे। पर पता नहीं, उस दिन मन में अजीब सी व्याकुलता थी। युद्ध कुछ दिनों के लिए थम चुका था। सीज़फायर लागू था-पर लोगों को मालूम था कि यह शांति अस्थायी है, जैसे तूफान के पहले की खामोशी।

दुश्मन की नीयत पर विश्वास नहीं जम रहा था। उस शहर की एक बहुमंज़िला इमारत में नरेश अपने परिवार के साथ रहता था। भारत से नौकरी के सिलसिले में वह वर्षों पहले उस शहर में आया था। उसके साथ पत्नी सुमन और आठ साल का बेटा आरव भी था। नरेश एक डिपार्टमेंटल स्टोर चलाता था और सुमन एक बड़े अस्पताल में सीनियर नर्स की नौकरी करती थी। गृहस्थी सुचारू रूप से चल रही थी किन्तु खाड़ी देशों में युद्ध छिड़ने के कारण पिछले कुछ दिनों से उनके जीवन में सब-कुछ बदल गया था। सब घर में कैद। स्कूल- दफ़्तर और बाजार सब बन्द। जीवन घर की चारदिवारी में जड़ हो गया था। हर समय बम हमले का भय, बचाव की योजना और आने वाला हर पल अनिश्चित। उसकी मंजिला इमारत में सभी धर्मों के लोग रहते थे। सभी अपने जीवन में मस्त थे। भाषा भिन्नता के कारण उनका आपस में संवाद शून्य के बराबर था। बस हाय-हैलो से काम चल जाता था। पर युद्ध की संकट बेला में सभी एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। उस दिन सुबह से ही नरेश सोसायटी के लोगों के साथ खाने-पीने का सामान,पानी की बोतलें, सूखा राशन, बिस्कुट,दवाइयां, टॉर्च, बैट्री के सैल और विशेषकर गुड़ और भूने हुए चने अपने स्टोर से घर ले आया था।। अब वह संकट की हर घड़ी से निपटने को तैयार था। नरेश ने वर्षों पूर्व भारत में अपने दो पड़ोसी शत्रुओं के द्वारा थोपे गए तीन युद्ध-विभीषिका को झेला था। वह युद्धों की यादों से आज भी भयभीत है। आकाश में मंडराते बमवर्षक जहाज, लगातार बजते कानफोड़ सायरन, खंदकों की तरफ भागते लोग, रात का ब्लैक आऊट, अंधेरे में मोटे-मोटे मच्छरों का हमला, बगल में दबे रेडियो सैट से प्रसारित समाचार,नरेश को भूले नहीं थे। इस लिए उसने स्थिति से निपटने की अब पूरी तैयारी ली थी। नीचे पार्किंग में कुछ लोग इकट्ठा होकर सीज़फायर की चर्चा कर रहे थे।

"मुझे तो ये सीज़फायर भरोसे लायक नहीं लगता," एक बुजुर्ग बोले।

"सही कहा आपने," दूसरे ने हामी भरी, "दुश्मन कभी भी धोखा दे सकता है। ये सिर्फ तैयारी का समय है, भरोसे का नहीं।" तीसरे ने कहा- 'सीज़फायर से तो युद्ध ही ठीक है। कम से कम आर-पार की लड़ाई हो जाती है। एक ही बार तो मरना होता है। सीज़फायर में हम सब पल-पल मर रहे हैं। मौत का भय हरपल दम घोट रहा है। दोपहर में ही आकाश काले-काले विषैले धुएं से ढक जाता है। मेरी दादी को सांस लेने में दिक्कत होती है। हर समय लंबे -लंबे सांस लेती है'। उसकी बात सुनकर सब गंभीर हो जाते हैं। नरेश के मन में भी वही डर था, लेकिन वह अपने डर को चेहरे पर नहीं आने दे रहा था। उसने लड़के को सांत्वना देकर शांत किया। उसे भी तो अपने परिवार के लिए मज़बूत बने रहना था। वह हर फ्लैट में जाकर लोगों का हाल-चाल पूछ रहा था-किसी को दवा चाहिए, किसी को खाना, कोई अकेला तो नहीं। उसे लगता था कि ऐसे समय में सबसे बड़ी ताकत है एक-दूसरे का साथ। इसी दौरान उसकी नज़र तीसरी मंज़िल की बालकनी पर पड़ी। वहां एक वृद्ध महिला खड़ी थी। सफेद बाल, झुकी हुई कमर, और आंखों में गहरी थकान। वह अकेली खड़ी थी। नरेश ने उसे पहचान लिया। वह शाहिद की अम्मा फातिमा थी। नरेश को याद आया। कुछ दिन पहले अम्मा फातिमा को तेज बुखार हो गया था। तब सुमन ने ही उनको दवा लाकर दी थी। आजकल वह अकेली ही फ्लैट में रह रही थी। उनके बेटे-बहू कुछ दिन पहले ही शहर छोड़कर चले गए थे। उसे भी साथ ले जाने की बहुत जिद की, किंतु वह उनके साथ चलने को राजी नहीं हुई। यह उस के शौहर का घर था, जहां उनके जीवन की मिट्ठी यादें कैद थी।

'ये मेरा घर है मैं यहीं रहूँगी, मेरा मरना- जीना इसी घर में होगा।' उसे देखकर नरेश को अपने घर की कुछ पुरानी बातें याद आ गई। उसका दिल बैठ गया। उसने बिना देर किए सीढ़ियां चढ़नी शुरू की। हर कदम के साथ उसका मन और बेचैन हो रहा था। नरेश द्वारा फातिमा के घर का दरवाज़ा खटखटाने पर अंदर से धीमी आवाज़ आई-

"कौन? "अम्मा, मैं नरेश नीचे वाले फ्लैट से। जल्दी दरवाजा खोलो'। दरवाजा खुला। फ़ातिमा अम्मा ने उसे देखा और हल्की मुस्कान दी- "बेटा, सब ठीक है ना?" नरेश ने बिना घुमाए-फिराए कहा-"अम्मा, आप जल्दी नीचे मेरे साथ हमारे घर चलिए। अभी आप के लिए यहां अकेले रहना ठीक नहीं है। बंकर भी हमारे घर के पास है, कुछ हुआ तो हम तुरंत बंकर में पहुंच जाएंगे।" अम्मा ने धीरे से सिर हिलाया, "नहीं बेटा, मैं ठीक हूं। इतनी उम्र में कहां जाऊंगी?" नरेश ने थोड़ा दृढ़ होकर कहा, "अम्मा, ये जिद करने का समय नहीं है। आप मेरे साथ चलिए अभी।" उसकी आवाज़ में इतना प्यार,सच्चाई और चिंता थी कि अम्मा मना नहीं कर पाईं। उन्होंने एक छोटा-सा बैग उठाया और नरेश के साथ नीचे उसके घर आ गई आ गई। जैसे ही वे नीचे पहुंचे, अचानक आसमान में एक तेज़ आवाज़ गूंजी-धड़ाम!!! धड़ाम। एकदम धरती कांप उठी। मानो भूकंप आया हो। लोग चीखने लगे-भागो, हमला हमला शुरू हो गया!" चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। सब बदहवास होकर बंकर की ओर भाग रहे थे। सीज़फायर टूट चुका था। इमारतें धूं-धूं कर जलने लगी थी। उस समय सुमन बराबर वाली सोसाइटी में एक महिला का प्रसव करवाने गई हुई थी। नरेश ने बिना एक पल गंवाए आरव का हाथ पकड़ा और फ़ातिमा अम्मा को सहारा देते हुए बंकर की ओर दौड़ पड़ा। चारों तरफ धूल, धुआं, चीखें और लगातार फटते बमों की भयंकर आवाज़ दिल दहला रही थी। हर कदम पर खतरा था, लेकिन नरेश का ध्यान सिर्फ एक चीज़ पर था-सबको सुरक्षित पहुंचाना। बंकर उनके घर से कुछ ही दूरी पर था। जैसे-तैसे वे वहां पहुंचे। अंदर पहले से ही कई लोग जमा थे। सब डरे हुए, सहमे हुए, लेकिन जिंदा थे। कुछ देर बाद जब बमबारी थोड़ी थमी, तो बाहर का नज़ारा भयावह था। उनकी इमारत का ऊपर का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था और वह हिस्सा वही था जहां फ़ातिमा अम्मा का फ्लैट था। वह दृश्य देखकर अम्मा की आंखों से आंसू बहने लगे।

'अगर मैं वहीं रहती तो?'

नरेश ने धीरे से कहा-"अम्मा, अब आप हमारे साथ हैं, बस यही जरूरी है।" अम्मा ने उसका हाथ अपने दोनों हाथों में थाम लिया और बोली-"तुमने आज मेरी जान बचाकर मुझ पर बड़ा अहसान किया है। अल्लाह तुमको लंबी उम्र बख्शे बेटा।" उस रात बंकर में बैठे-बैठे नरेश न जाने क्या-क्या सोचता रहा। लोग धर्म -जाति के नाम पर दिन- रात एक-दूसरे से लड़ते हैं, दंगे करते हैं। एक -दूसरे का गला काटते हैं। युद्ध ने इन सब को इस छोटे से बंकर में एक-दूसरे से सट कर रहने को विवश कर दिया, जहां केवल बैठा ही जा सकता था। यहां किसी को किसी के धर्म से ईर्ष्या नहीं। सब अपनी नमाज, पूजा-पाठ भूल गए थे। किसी में भी कोई दुराव नहीं। सभी आपस में प्यार से बातचीत में मग्न थे। तभी अम्मा को खांसी आ गई। नरेश ने अम्मा को पानी पिलाया और बैग में से कुछ बिस्कुट निकाल कर अम्मा तथा आरव को खाने को दिए। वह स्वयं गुड़-चना खाने लगा। अम्मा ने भी नरेश से खाने के लिए गुड़-चना लिए। बंकर में सभी एक दूसरे की मदद कर रहे थे। भोजन बांट-बांट कर खा रहे थे। सब बच्चे सो गए थे। शेष लोग सारी रात जागते रहे। पुनः बमबारी की आशंका से कोई भी बंकर से बाहर निकलने का साहस नहीं कर पा रहा था। सब सुबह का इंतजार करने लगे। युद्ध ने घर, चैन, सुरक्षा सबकुछ छीन लिए, लेकिन एक चीज़ अब भी बची हुई थी,वह थी 'मानवता'।

सुमन अपने बंकर में लौट आई थी। उसने बताया कि जोसेफ के घर एक बेटे ने जन्म लिया है। जच्चा -बच्चा दोनों स्वस्थ तथा सुरक्षित थे। अगले दिन जब हालात थोड़े सामान्य हुए, तो सोसायटी के लोग एक-दूसरे का हाल पूछ रहे थे। हर कोई नरेश की तारीफ कर रहा था, लेकिन वह बस मुस्कुरा रहा था। उसने जो किया, वह कोई वीरता नहीं थी-वह तो बस एक इंसान का कर्तव्य था। बस उसे संतोष था। चीन युद्ध में उसने अपनी दादी को खो दिया था। उस समय वह बहुत छोटा था। दादी के लिए कुछ कर नहीं पाया था। उसे अनुभूति हुई कि अम्मा के रूप में उसकी दादी उसे आशीर्वाद दे रही है। अचानक युद्ध समाप्त होने की घोषणा हो गई। सबने राहत की सांस ली। सब जीवन को पुनः व्यवस्थित करने में जुट गए। युद्ध सरहदों पर ही नहीं लड़ा जाता, वह इंसान के भीतर भी चलता है- डर और साहस के बीच, स्वार्थ और मानवता के बीच। सही समय पर लिया गया एक विवेकपूर्ण निर्णय न सिर्फ एक जीवन, बल्कि पूरी इंसानियत को बचा सकता है।

पुस्तक समीक्षा

मनमौजी कविताओं का संग्रह है चांद, प्रकृति और कवि

समीक्षक

डॉ. संतोष गर्ग 'तोष'

कविता संग्रह चांद, प्रकृति और कवि के लेखक सुनील मिनोचा की यह पहली पुस्तक है। मनभावन आवरण पृष्ठ और कवि की उत्कृष्ट सोच को पढ़कर ऐसा नहीं लगता कि यह कवि का पहला प्रयास है। इस काव्य संग्रह का जैसा नाम है, ठीक वैसे ही उनकी कविताएं प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती हैं। सुनील मिनोचा योगाचार्य और लाफ्टर लीडर हैं, वैसे ही इनकी कविताएं आशावादी, सकारात्मक, उपदेशात्मक और प्रकृति के प्रति समर्पण की सोच व दृष्टि इस पुस्तक में प्रकाशित कविताओं में मिलती है। 'मैं जहां भी जाता हूं, एक आशा की किरण अपने साथ रखता हूं।' आरंभ में ही कितनी बड़ी बात लिखी है। संतों से उपदेश देती इनकी कविताएं:- 'हे प्राणी! जीवन है अनमोल, इसको घुट- घुट कर न रोल। मीठे बोल सभी को भाएं, मिश्री की तरह झट घुल जाएं।। कविताओं की भाषा शैली बड़ी ही सरल, सहज, सौम्य है। मानवता, दया, करुणा से भरी कविताएं इनके संवेदनशील हृदय के दर्शन करवाती हैं। रसोई की खिड़की, अदृश्य चांद, वो पल आदि रचनाएं भी पठनीय हैं। कुछ कविताओं को पढ़कर इनके बालपन का अंदाजा भी भली-भांति लगाया जा सकता है। इसी सोच को लेकर सुनील मिनोचा लिखते हैं कि आओ हम छोटे बच्चे बन जाएं, जो मंद- मंद हंसें और मुस्कुराएं, जिंदगी आसानी से कट जाए। कविताओं में होली का हुड़दंग है, त्योहारों की मस्ती है, बचपन की यादें हैं, गिद्धा- ढोलक, भंगड़ा है, ध्यान लगाने की विधि है, भोर का आनंद है, नारी शक्ति का विवरण है, सोए हिंदुओं को जगाने का आह्वान है, बुढ़ापे की चिंता और चिंतन हैं। इनकी रचनाएं सचेत करती हैं- घबराती नहीं, रुकने का नहीं बल्कि चलने का नाम लेती हैं। मंजिलों को छूने की बात करती हैं। दया- धर्म हृदय में रखते हुए विभिन्न सुगंध देती कविताएं हैं। कहीं पर्यावरण की, कहीं जल बचाने की चिंता है। कहीं ध्यान, प्राणायाम है और कहीं हंसते-हंसते योग है।

सुनील मिनोचा

कवि

धर्म परिवर्तन , राष्ट्रभक्ति, शहीदों की, पहाड़ों-पेड़ों और धरती की विनम्रता की भी बातें करती हैं। हम कह सकते हैं कि इनकी कविताओं में गंगा मैया की भांति बहते भाव हैं। सरिता की लहरों का कल-कल करता संगीत है, सच्चाई है। कुल मिलाकर सुनील मिनोचा का यह कहना भी सार्थक सिद्ध होता है कि लिखते- लिखते कवि बन बैठा। खुशियां कैसे और कहां-कहां ढूँढी जा सकती हैं, इस पुस्तक को पढ़ कर बड़ी आसानी से पाठक अपना जीवन खुशहाल बना सकते हैं। अंततः सुनील मिनोचा की पहली पुस्तक के प्रकाशन पर बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं देती हूं।

कवि कॉर्नर

ग़ज़ल — श्रीभगवान बव्वा

मिलना मिलाना

मिलना मिलाना क्यों चाहिए,
दिल को दुखाना क्यों चाहिए ।

जब नहीं पसंद हूं मैं उनको ,
ये आना जाना क्यों चाहिए ।

तेरी गोद में सर रख दूंगा ,
जन्नत में जाना क्यों चाहिए।

है तुझे पता तू हूर नहीं,
फिर भी इतराना क्यों चाहिए।

जब बात बन रही चुपके से,
सब पे गुर्राना क्यों चाहिए।

बसी दिलों में ख़ूब नफ़रतें,
ये हाथ मिलाना क्यों चाहिए ।

सुन नहीं पाते, जहां धड़कन,
नज़में सुनाना क्यों चाहिए ।

कविता — सत्यप्रकाश बलेवा 'साम '

व्यंग्य — विनीत पाण्डेय

मंच, माइक, माला और अध्यक्ष की महिमा

अध्यक्षता का सबसे मनोरंजक दृश्य वह सम्मान समारोह है, जहां उन्हें शॉल और माला से लाद दिया जाता है। यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो किसी विजेता को युद्ध से लौटने पर पुरस्कृत किया जा रहा हो, जबकि उनका एकमात्र संघर्ष मंच पर तीन घंटे बिना हिले-डुले बैठना था। मालाएं इतनी ऊंची हो जाती हैं कि अध्यक्ष का चेहरा गायब हो जाता है। स्मृति चिन्ह थमाते समय फोटो ऐसे खिंचवाई जाती है जैसे यह क्षण इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला हो।

सार्वजनिक कार्यक्रमों में अध्यक्षता करना हमारे देश की वह महान कला है, जिसके सामने बाकी सारी कलाएं पानी भरती नजर आती हैं। कार्यक्रम चाहे किसी मोहल्ले की बैठक का हो, किसी विशेष दिवस का हो या किसी की जयंती का, जब तक मंच के बीचों-बीच एक अध्यक्ष नामक प्राणी विराजमान न हो जाए, तब तक कार्यक्रम को मोक्ष प्राप्त नहीं होता। किसी भी आयोजन की शोभा, उसकी गंभीरता और उसकी प्रतिष्ठा इस बात से आँकी जाती है कि उसमें अध्यक्ष कौन है। अध्यक्ष किसे बनाया जाए, यह भी एक बड़ा प्रश्न होता है। साधारण आदमी को तो कोई पूछता ही नहीं, क्योंकि उसे मंच पर बैठाने से समारोह का कद छोटा हो जाएगा।

आयोजकों की पहली प्राथमिकता वह व्यक्ति होता है या तो जिसके नाम के साथ पूर्व या माननीय टाइप के चार-पांच विशेषण लगे हों या जो भारी चंदा दे सके, लेकिन अध्यक्ष बनने की असली मुश्किल तब आती है जब कार्यक्रम शुरू हो जाता है। अध्यक्ष की बारी हमेशा सबसे आखिर में आती है। उनके बोलने तक मंच पर मौजूद हर वक्ता सब कुछ कह चुका होता है, विषय की बारीकियां, आंकड़े, उदाहरण, ऐतिहासिक संदर्भ सब खत्म हो चुके होते हैं। अब अध्यक्ष बेचारे किस पर बोलें? ऐसे में दो ही रास्ते बचते हैं। पहला, पहले से कही हुई बातों को अपने शब्दों में दोहराना और यह जताना कि उन्होंने सबको ध्यान से सुना है। दूसरा, विषय से हटकर कोई पुरानी घटना, कोई किस्सा या कोई व्यक्तिगत अनुभव सुना देना, ताकि लोग ऊब न जाएं और उन्हें लगे कि अध्यक्ष ने कुछ अलग कहा। अध्यक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है खुद को विद्वान सिद्ध करना, क्योंकि श्रोता उम्मीद करते हैं कि इतने प्रतिष्ठित व्यक्ति को बुलाया गया है तो वह कुछ ऐसा कहेगा जो किसी और ने नहीं कहा। जब तक उनकी बारी आती है, सारी नई बातें खत्म हो चुकी होती हैं। मजबूरी में वह वही बातें थोड़ी गंभीरता और थोड़े वजनदार शब्दों में दुहराते हैं। जैसे कोई कह चुका हो कि हमारे समाज में शिक्षा की आवश्यकता है, तो अध्यक्ष कहेंगे वास्तव में, शिक्षा समाज की आत्मा है, और शरीर के लिए आत्मा बहुत जरूरी होती है। कई बार अध्यक्ष यह भी मान लेते हैं कि जब सब कुछ कहा जा चुका है, तो क्यों न अवसर का लाभ उठाकर अपनी पसंदीदा कहानियां सुना दी जाएं। कार्यक्रम चाहे पर्यावरण संरक्षण पर हो या पुस्तक विमोचन का, अध्यक्ष महोदय जेपी आंदोलन का कोई संस्मरण सुनाने लगेंगे, या अपनी पहली नौकरी के अनुभव साझा कर देंगे। कई अध्यक्ष अपने भाषण में संक्षिप्त रहने का वादा करते हैं और फिर घड़ी देखकर भी भूल जाते हैं कि संक्षिप्त का मतलब पैंतालीस मिनट नहीं होता। अध्यक्ष जी जब कहते हैं 'मैं अंत में बस इतना ही कहूंगा...' तो समझ लीजिए कि अभी कम से कम बीस मिनट का मसाला और बाकी है। आयोजक असहज होते हैं, श्रोता मोबाइल में व्यस्त हो जाते हैं, लेकिन अध्यक्ष महोदय इस भ्रम में डूबे रहते हैं कि लोग उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं कि उन्होंने एक विद्वत्तापूर्ण भाषण दे दिया। श्रोताओं की सहनशीलता की भी दाद देनी चाहिए। वे उस अध्यक्षीय निष्कर्ष का इंतजार ऐसे करते हैं जैसे कयामत के दिन का। आधे लोग सोचते हैं कि अध्यक्ष कुछ गंभीर बातें कहेंगे, बाकी आधे लोग बस इंतजार कर रहे होते हैं कि कब उनका भाषण ख़त्म हो और वे घर लौटें। आयोजकों के लिए अध्यक्ष एक कवच की तरह है। यदि कार्यक्रम में कोई अव्यवस्था हो जाए, माइक खराब हो जाए या भीड़ कम आए, तो वे सब कुछ अध्यक्ष की गरिमा के पीछे छुपा देते हैं। 'अध्यक्ष जी आए, यही हमारे लिए बड़ी बात है'। यह वाक्य हर असफलता का मरहम बन जाता है। अध्यक्षता का सबसे मनोरंजक दृश्य वह सम्मान समारोह है, जहां उन्हें शॉल और माला से लाद दिया जाता है। यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो किसी विजेता को युद्ध से लौटने पर पुरस्कृत किया जा रहा हो, जबकि उनका एकमात्र संघर्ष मंच पर तीन घंटे बिना हिले-डुले बैठना था। मालाएं इतनी ऊंची हो जाती हैं कि अध्यक्ष का चेहरा गायब हो जाता है। स्मृति चिन्ह थमाते समय फोटो ऐसे खिंचवाई जाती है जैसे यह क्षण इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला हो। किन्तु सत्य यही है कि इस देश में भाषण भले ही कोई भी दे, जलवा हमेशा उसी का रहता है, जिसके पास अध्यक्षीय कुर्सी होती है। अध्यक्ष कार्यक्रम का वह स्वर्णिम समापन है, जिन्हें सुनकर जनता राहत की सांस लेती है और घर जाकर यह भूल जाती है कि अध्यक्ष जी ने आखिर कहा क्या था।

कुछ हटकर

बी.आर्क के बाद करियर विकल्प रचनात्मकता व तकनीकी कौशल

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

नई शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यार्थी अब अर्बन डिजाइन, ग्रीन आर्किटेक्चर, स्मार्ट सिटी प्लानिंग जैसे विशेष क्षेत्रों में भी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

बी.आर्क (बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर) एक पाँच वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को भवन निर्माण, डिजाइनिंग, शहरी नियोजन और पर्यावरणीय संरचना की गहन समझ प्रदान करता है। इस कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को आर्किटेक्चरल डिजाइन, बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन, एनवायरनमेंटल स्टडीज, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, इंटीरियर डिजाइन, लैंडस्केप आर्किटेक्चर और कम्प्यूटर एडेड डिजाइन जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल ड्रॉइंग या डिजाइनिंग सिखाना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को सस्टेनेबल डेवलपमेंट और इनोवेटिव स्ट्रक्चर डिजाइनिंग में दक्ष बनाना है।

विशेषज्ञताएं

आर्किटेक्चर के क्षेत्र में कई प्रकार की विशेषज्ञताएँ उपलब्ध हैं, जिनमें विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं —

- आर्किटेक्चरल डिजाइन
- अर्बन और रीजनल प्लानिंग
- लैंडस्केप आर्किटेक्चर
- इंटीरियर आर्किटेक्चर
- ग्रीन और सस्टेनेबल आर्किटेक्चर
- हेरिटेज और कंजर्वेशन आर्किटेक्चर
- कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट
- डिजिटल और कम्प्यूटेशनल डिजाइन

आवश्यक कौशल

एक सफल आर्किटेक्ट बनने के लिए विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच के साथ-साथ तकनीकी और प्रबंधन कौशल भी आवश्यक हैं -रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति, तकनीकी ड्रॉइंग और डिजाइन की समझ, सी.ए.डी. सॉफ्टवेयर जैसे ऑटो कैड, रेवित, स्केचअप, रहीनो में दक्षता स्ट्रक्चरल और एनवायरनमेंटल जागरूकता आदि।

निजी क्षेत्र में विकल्प

बी.आर्क स्नातकों के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएँ हैं। रियल एस्टेट, कंस्ट्रक्शन, इंटीरियर डिजाइन फर्म्स, आर्किटेक्चरल कंसल्टेंसीज और इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में आर्किटेक्ट्स की लगातार माँग बनी रहती है।

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन लगभग 4 से 8 लाख वार्षिक तक होता है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह 12 से 25 लाख वार्षिक तक पहुँच सकता है।प्रमुख कंपनियाँ जैसे डी.एल.एफ., एल एंड टी कंस्ट्रक्शन, टाटा प्रोजेक्ट्स, सी.पी. कुकरेजा आर्किटेक्ट्स, बी.आर्क स्नातकों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी बी.आर्क स्नातकों के लिए अनेक प्रतिष्ठित अवसर उपलब्ध हैं। पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, हाउसिंग बोर्ड, अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स और भारतीय रेल जैसे संस्थानों में आर्किटेक्ट्स की नियुक्ति की जाती है।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन ₹5 से ₹9 लाख वार्षिक तक होता है, जबकि वरिष्ठ पदों पर यह ₹15 से ₹20 लाख वार्षिक तक पहुँच सकता है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

नवगीत

दुःख की गठरी लिए घूमती
रोज सुबह और शाम
परछाई भी तैयार है
पाने को वरदान।

तन खाता महा कष्ट के
बर्तन भर-भर रोज
चलता-फिरता हाड़-मांस
करता उसी में मौज
रिश्ते नातों की बात का
करते हैं नित मान।

कर्म सलोने किए बहूत
मिले जीवन का सार
बर्बादी की मंजिल बचे
सत्कर्मों से प्यार
ईश-कृपा होती जहां
करते हैं वे ध्यान।

हर दिन वह तैयार है
करने को संग्राम
पेट काटती शाम तलक
करती वह न विश्राम
जर्जर काया पुलकित हो
करती है गुणगान।

मोटिवेशनल

डिग्री बनाम स्किल्स: युवा क्या चुनें ?

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज का युवा एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहां विकल्प पहले से कहीं अधिक हैं, लेकिन भ्रम भी उतना ही गहरा है। एक ओर वर्षों से चली आ रही सोच है कि डिग्री ही सफलता की कुंजी है, वहीं दूसरी ओर बदलती दुनिया यह संकेत दे रही है कि स्किल्स यानी कौशल ही असली पहचान बन रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है- आज का युवा डिग्री चुने या स्किल्स? सच यह है कि आज का समय डिग्री बनाम स्किल्स का नहीं, बल्कि डिग्री के साथ स्किल्स का है।

बदलती दुनिया, बदलती मांग : तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने काम करने के तरीके ही बदल दिए हैं। आज कंपनियां यह नहीं पूछतीं कि आपने कहां से पढ़ाई की है, बल्कि यह जानना चाहती हैं कि आप क्या कर सकते हैं। कोडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, कम्युनिकेशन, समस्या-समाधान और टीमवर्क- ये सभी ऐसे कौशल हैं, जिनकी मांग हर क्षेत्र में बढ़ रही है। एक सर्वे के अनुसार, कई नियोक्ता मानते हैं कि डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों की तुलना में स्किल्ड उम्मीदवार जल्दी सीखते हैं और बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

क्या डिग्री अब बेकार हो गई है? : बिल्कुल नहीं। डिग्री ज्ञान की नींव देती है, सोच विकसित करती है और अनुशासन सिखाती है। समस्या तब होती है, जब युवा यह मान लेते हैं कि डिग्री मिलते ही सफलता अपने आप मिल जाएगी। आज हकीकत यह है कि केवल डिग्री काफी नहीं है, अगर उसके साथ जरूरी कौशल न हों। डिग्री आपको प्रवेश दिला सकती है, लेकिन आगे बढ़ाने का काम स्किल्स ही करती हैं।

स्किल्स क्यों बन रही हैं सबसे बड़ी ताकत : स्किल्स आपको आत्मनिर्भर बनाती हैं। आज हजारों युवा ऐसे हैं, जिन्होंने साधारण पृष्ठभूमि से आकर डिजिटल स्किल्स, डिजाइन, कंटेंट राइटिंग, ट्रेनिंग, कंसल्टिंग या तकनीकी कौशल के दम पर अपनी पहचान बनाई है। स्किल्स आपको सीखते रहने की आदत सिखाती हैं, और यही आदत भविष्य में आपको प्रासंगिक बनाए रखती है। युवाओं को क्या करना चाहिए? आज के युवा को यह समझना होगा कि सफलता किसी एक रास्ते से नहीं आती।

पढ़ाई के साथ-साथ नए कौशल सीखें : इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट और फील्ड अनुभव को महत्व दें। सिर्फ नौकरी खोजने वाला नहीं, समस्या सुलझाने वाला इंसान बनें। हर साल खुद को पहले से बेहतर बनाने का लक्ष्य रखें। आज का युग डिग्री या स्किल्स में से किसी एक को चुनने का नहीं है, बल्कि दोनों के संतुलन का है। डिग्री आपकी सोच को दिशा देती है और स्किल्स आपकी उड़ान को ऊंचाई। जो युवा इस संतुलन को समझ लेता है, वही अपना भविष्य सुरक्षित करता है। आज के समय में सबसे बड़ी डिग्री है सीखते रहने की इच्छा, और सबसे बड़ा कौशल है- खुद को हर दिन बेहतर बनाना।

लघु कथा

कण-कण में...

डॉ. अंजना गर्ग

कहानीकार

वृंदावन की गलियों में भीड़ थी। भजन की धुन, मंदिरों की घंटियाँ और श्रद्धालुओं की आस्था हवा में घुली हुई थी।

एक सज्जन खड़े-खड़े ऊंची आवाज़ में प्रवचन दे रहे थे—

"यहां तो कण-कण में भगवान हैं...आप जहां भी उन्हें पुकारेंगे, वे वहीं प्रकट हो जाते हैं..."

आसपास खड़े लोग श्रद्धा से सिर हिला रहे थे। प्रवचन समाप्त हुआ।

उसी सज्जन ने पास की दुकान से पूड़ी-सब्ज़ी खाई, और जूठी पत्तल को लापरवाही से सड़क किनारे फेंक दिया।

यह सब अनु देख रही थी।

वह उनके पास आई और शांत स्वर में बोली—

"आपकी बात गलत है।"

सज्जन चौंके—"क्या मतलब?"

अनु ने उसी पत्तल की ओर इशारा किया—"या तो कण-कण में भगवान नहीं हैं...या फिर आपने अभी-अभी भगवान के मुंह पर यह जूठा फेंका है।"

सज्जन के चेहरे पर जैसे शब्द सूख गए। अनु आगे बढ़ गई और पीछे, वृंदावन की वही गलियां थीं। जहां शायद भगवान अब भी खड़े थे...यह देखने के लिए कि लोग उन्हें मानते ज़्यादा हैं, या समझते।

पुष्प वर्षा और जयकारों की रही गूंज, मंदिरों में उमड़ी भीड़

सिरसा पहुंची हनुमान जी की विशाल गदा यात्रा, श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

अष्टधातु से बनी 21 फीट लंबी ऐतिहासिक गदा ने खींचा श्रद्धालुओं का ध्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। गदा यात्रा का स्वागत करते श्रद्धालु।

कंचन सेवा संस्थान उदयपुर राजस्थान द्वारा स्थापित की जाने वाली 84 फीट ऊंची 11 मुखी प्रभु श्रीराम के परम भक्त पवनपुत्र हनुमान की प्रतिमा पर लगाई जाने वाली विशाल भव्य गदा की शोभा यात्रा का रविवार सुबह सिरसा में पहुंचने पर काफी संख्या में शहरवासियों और धार्मिक संगठनों ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया और शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। गदा यात्रा सुबह आठ बजे श्री सालासर धाम पहुंची। जहां पर शहरवासियों व मंदिर पर आए श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। मंदिर के पुजारियों द्वारा पूजा अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने गदा के समक्ष नारियल चढ़ाकर और परिक्रमा करके बालाजी से मन्नत मांगी। इसके बाद गदा यात्रा सालासर धाम से अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम पहुंची। जहां पर मंदिर के मुख्य सेवक पवन गर्ग ने अशोक खट्टर, राजू बंसल, कृष्ण लाल गर्ग, अनिल मेहता, विक्की सहित बगीची के सेवादारों ने भव्य स्वागत किया। गदा यात्रा के साथ चल रहे प्रबंधक सीता राम शर्मा, कृष्ण लाल ने बताया कि यह विश्व की ऐतिहासिक गदा है जो शुद्ध अष्टधातु से बनी हुई है और जिसका वजन 1001 किलोग्राम से अधिक और इसकी लंबाई 21 फीट है। उन्होंने बताया कि यह यात्रा सनातन धर्म के प्रचार और प्रसार के लिए करीब ढाई वर्ष पूर्व 4 नवंबर 2023 को उदयपुर राजस्थान स्थित हनुमत धाम से शुरू हुई थी जो कई राज्यों का भ्रमण करती हुई पंजाब से होते हुए हरियाणा में प्रवेश किया है। उन्होंने बताया कि गदा यात्रा अब से 9 वर्षों के बाद पूरे भरत की परिक्रमा करने के बाद अयोध्या धाम ले जाकर पूजा अर्चना की जाएगी जिसके उपरांत इसे उदयपुर राजस्थान हनुमत धाम मंदिर में 84 फीट ऊंची बजरंग बली प्रतिमा के हाथों में सुशोभित किया जाएगा।

पूरे शहर से गुजरेगी यात्रा

प्रबंधक सीता राम शर्मा, कृष्ण लाल ने बताया कि गदा यात्रा शहर के सभी मंदिरों पर जाएगी। इसके अलावा शहर की लगभग सभी कॉलोनियों व मौहल्लों में यात्रा जाएगी। इसके अलावा यदि किसी गांव से भी यात्रा को बुलाया जाएगा तो ये यात्रा उस गांव में प्रवेश करेगी। सिरसा में गदा यात्रा के प्रवेश करने पर बजरंग दल के नगर संयोजक दीपक सोलंकी, सह संयोजक ललित सैनी, मयंक रोहिल्ला, गौरव छिंपा, राम वर्मा, चिराग माटी, केशव, रितिक शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया व यात्रा के साथ चले।

रतिया में मां की चौकी के महा-अनुष्ठान से भक्तिमय हुआ वातावरण

रतिया। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा गुरुदेव आशुतोष महाराज के मार्गदर्शन में स्थानीय इंपीरियल गार्डन में माता की चौकी का आयोजन किया गया। शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक चले इस महाअनुष्ठान में रतिया और आस-पास के हजारों श्रद्धालुओं ने शिरकत कर मां भगवती का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंजाबी सभा के प्रधान सतीश हांडा, पूर्व प्रधान नवनीत मेहता और रघुनाथ मंदिर कमेटी के प्रधान सुभाष चुघ ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। संस्थान की प्रख्यात भजन-प्रवक्ता साध्वी भावअर्चना भारती जी ने अपनी मधुर वाणी और भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने अपने प्रवचन में ब्रह्मज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, बाह्य आडंबरों से दूर हटकर जब मनुष्य अपने भीतर दिव्य ज्योति प्रज्वलित करता है, तभी उसे वास्तविक शांति और आनंद की प्राप्ति होती है। संस्थान के स्वामी प्रेमानंद ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज को नशा और अवसाद से मुक्त कर एक शांतिमय राष्ट्र का निर्माण करना है। श्रद्धालुओं ने इस दौरान राष्ट्र-सेवा और माता-पिता की सेवा का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन महाआरती और लंगर प्रसाद के साथ हुआ।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना : कृषि क्षेत्र को और सशक्त बनाने की दिशा में अहम कदम

■ योजना के तहत किसानों को ब्याज पर सब्सिडी भी की जाती है प्रदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना किसानों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता योजना है, जिसका उद्देश्य उन्हें खेती से जुड़े कार्यों के लिए समय पर और सस्ती ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराना है। इस योजना के माध्यम से किसान बिना किसी जटिल प्रक्रिया के बैंक स ऋण प्राप्त कर सकते हैं और अपनी कृषि आवश्यकताओं को आसानी से पूरा कर सकते हैं। किसान क्रेडिट कार्ड योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों को उच्च दर पर कर्ज से बचाकर उन्हें संस्थागत बैंकिंग प्रणाली से जोडऩा है। इसके तहत किसान बीज, खाद, कीटनाशक, सिंचाई और अन्य कृषि कार्यों के लिए आसानी से धन प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना के तहत किसानों को ब्याज पर सब्सिडी भी प्रदान की जाती है। सामान्यतः 7 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण मिलता है, जिसमें समय पर भुगतान करने पर अतिरिक्त 3 प्रतिशत तक की छूट मिलती है, जिससे प्रभावी ब्याज दर लगभग 4 प्रतिशत रह जाती है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण

किसान क्रेडिट कार्ड योजना किसानों के लिए एक मजबूत आर्थिक कडी है। इससे न केवल खेती की लागत कम होती है, बल्कि किसानों को समय पर संसाधन मिलने से उनकी उत्पादन क्षमता और आय में भी वृद्धि होती है। साथ ही, यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

डीजल डलवाकर की ठगी, दो आरोपी पकड़े

फतेहाबाद। एक पेट्रोल पंप पर डीजल डलवाकर बिना पैसे दिए फरार होने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर टोहाना पुलिस ने दो आरोपियों को काबू किया है। पुलिस ने तकनीकी जांच और तत्परता दिखाते हुए आरोपियों की पहचान कर उन्हें दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान होशियार सिंह पुत्र सुभाष, निवासी सिंथला और राहुल उर्फ भोला पुत्र दीवान सिंह निवासी नाढोडी के रूप में हुई है। थाना सदर टोहाना प्रभारी ने बताया कि कुलां निवासी जसबीर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि एक स्विफ्ट डिजायर कार में तीन युवक उनके पेट्रोल पंप पर आए थे। उन्होंने गाड़ी में करीब 5400 रुपये का डीजल डलवाया। जब पैसे देने की बारी आई, तो आरोपियों ने ऑनलाइन भुगतान करने का झांसा दिया।

घर में घुसकर मारपीट करने के मामले में दो आरोपी पकड़े

गांव खारा खेड़ी का मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

गांव खारा खेड़ी में एक घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आपसी विवाद के बाद हुई इस हिंसा के मामले में जांच के उपरांत दोनों आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की। थाना सदर फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद सिंह ने बताया कि पुलिस को गांव खारा खेड़ी निवासी समीर पुत्र राय साहब की ओर से एक शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि 4 अप्रैल को वह अपने घर पर म्यूजिक सिस्टम बजा रहा था। इसी दौरान म्यूजिक की आवाज को लेकर पड़ोसियों के साथ उसकी बहस हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी अपने अन्य साथियों के साथ जबरन समीर के घर में घुस आए और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। समीर ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि जब उसने शोर मचाया, तो आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और उन्होंने बीच-बचाव कर उसे हमलावरों से छुड़वाया।

नाबालिग से दुष्कर्म कर ब्लैकमेल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

महिला थाना फतेहाबाद पुलिस ने एक नाबालिग लडक़ी के साथ नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म करने और अश्लील फोटो के जरिए ब्लैकमेल करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, आईटी एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न संगीन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि पुलिस को एक नाबालिग लडक़ी की ओर से शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोपी पर बेहद गंभीर आरोप लगाए गए थे। पुलिस टीम ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू की और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू कर लिया। पीड़िता ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि आरोपी पिछले काफी समय से उसका पीछा कर रहा था और उसे परेशान कर रहा था। आरोपी ने सोशल मीडिया के माध्यम से उससे संपर्क किया और शारीरिक संबंध बनाने के लिए लगातार दबाव डालता रहा। शिकायत के अनुसार, आरोपी पीड़िता को बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया।

पुलिस ने भेजा जेल

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी के पास उसकी कुछ अश्लील तस्वीरें थीं, जिन्हें वह सोशल मीडिया पर भेजकर उसे लगातार ब्लैकमेल कर रहा था। वह इन तस्वीरों के जरिए पीड़िता पर मानसिक दबाव बना रहा था और उसे डरा-धमका रहा था। इस मामले में अब पकड़े गए आरोपी की पहचान रवि पुत्र राजेंद्र, निवासी गांव जाण्डवाला सोतर, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के साथ-साथ आईटी एक्ट और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। महिला थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब मामले के अन्य तकनीकी पहलुओं और साक्ष्यों की गहनता से जांच कर रही है।

गांव शेरगढ़ में हुए हादसे में मोटरसाइकिल सवार की मौत

सिरसा। जिले के गांव शेरगढ़ के निकट रविवार को ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराने पर बाइक सवार युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान शेरगढ़ निवासी नवीन के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार युवक नवीन एयरटेल कंपनी में सिम प्रमोटर का काम करता था। रविवार सुबह वह बाइक पर काम के लिए निकला था जिसकी गांव शेरगढ़ के निकट ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिडंत हो गई। आसपास के लोगों ने उसे उपचार के लिए डबवाली के सरकारी अस्पताल में पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने युवक को बठिंडा रेफर कर दिया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

क्रिकेट सट्टेबाजी गिरोह का तीसरा आरोपी काबू

पिंक स्टोन होटल पर छापेमारी के बाद खुला बड़ा नेटवर्क

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

सीआईए टोहाना पुलिस ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी के नेटवर्क के खिलाफ चल रही अपनी जांच को आगे बढ़ाते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में पहले ही दो मुख्य आरोपियों को दबोच चुकी है और अब इस तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी से सट्टेबाजी के इस गिरोह पर शिकंजा और कस गया है। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि कुछ समय पूर्व पुलिस टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर मिलन चौक स्थित पिंक स्टोन होटल के एक कमरे में छापेमारी की थी। उस छापेमारी के दौरान ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी के बड़े खेल का पर्दाफाश हुआ था।

सट्टे के आरोप में गिरफ्तार युवक।

नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, इस पूरे मामले में थाना टोहाना में 18 अप्रैल को हरियाणा प्रिवेंशन ऑफ पब्लिक गैम्बलिंग एक्ट 2025 की धारा 3 और 4 के तहत पहले ही मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस अब इस बात की तफ्तीश कर रही है कि इस क्रिकेट बुक के तार और किन-किन लोगों से जुड़े हुए हैं और सट्टेबाजी का यह पैसा कहां-कहां खपाया जा रहा था। सीआईए का दावा है कि जल्द ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मौके से पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था और उनके पास से भारी मात्रा में मोबाइल फोन, लेनदेन के रजिस्टर और सट्टा संचालित करने में इस्तेमाल होने वाला अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद किया था। पुलिस कस्टडी में पकड़े गए आरोपियों से हुई कड़ी पूछताछ के दौरान इस अवैध कारोबार में संलिप्त अन्य लोगों के नाम सामने आए थे। इसी कड़ी में सीआईए टीम ने कार्रवाई करते हुए अब एक और आरोपी को काबू किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान सुनील उर्फ सोनू पुत्र सुभाष चंद्र, निवासी सपड़ा मोहल्ला, टोहाना के रूप में हुई है।

बाइक चोरी मामले में तीसरे आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने एक मोटरसाइकिल चोरी के मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में पहले ही दो आरोपियों को काबू कर चुकी है और अब इस तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी से चोरी के इस प्रकरण में महत्वपूर्ण कड़ी हाथ लगी है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि पुलिस टीम मोटरसाइकिल चोरी की शिकायतों पर गहनता से जांच कर रही थी। इसी दौरान तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक अन्य सह-आरोपी को काबू किया गया। पकड़े गए आरोपी की पहचान रोहित उर्फ पड़ा पुत्र सोहनलाल, निवासी शक्ति नगर, फतेहाबाद के रूप में हुई है। पुलिस को दी गई शिकायत में ओमप्रकाश पुत्र रामकुमार, निवासी माजरा, जिला फतेहाबाद ने बताया था कि 11 फरवरी की रात को अज्ञात चोरों ने उनके घर के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी कर लिया था। इस शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 16 फरवरी को थाना शहर फतेहाबाद में मामला दर्ज किया था।

खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

गुमटसर एकेडमी में एथलेटिक्स प्रतियोगिता दक्ष और जसविंदर कौर बने बेस्ट प्लेयर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

रतिया। गुमटसर एकेडमी में आयोजित खेल प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

गुमटसर एकेडमी के खेल मैदान में रविवार को गुमटसर स्पोर्ट्स टैलेंट लाइव ट्रस्ट द्वारा एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के बच्चों और युवाओं ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पार्षद सरदार वकील सिंह नथवान ने हरी झंडी दिखाकर किया। उनके साथ नगर पालिका के वाइस चेयरमैन जोगिंदर नंदा, विनोद जग्गा, तरसेम शर्मा और अन्य गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से मौजूद रहे। एकेडमी के सदस्य हरदीप सिंह बोला और छिंद्रपाल कौर ने अतिथियों का स्वागत किया। कोच हरदीप सिंह बोला ने परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि लडक़ों के वर्ग में दक्ष और लड़कियों के वर्ग में जसविंदर कौर को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बेस्ट प्लेयर के अवार्ड से नवाजा गया। प्रतियोगिता में लडक़ों के वर्ग में 800 मीटर रेस में दक्ष प्रथम, दीशान द्वितीय और करण तृतीय स्थान पर रहे। शॉटपुट में हैप्पी गुज्जर ने पहला, कबीर बोला ने दूसरा और कार्तिक ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों के वर्ग में 800 मीटर रेस में जसविंदर कौर प्रथम, रूपनीत कौर द्वितीय और पावनी तृतीय रहीं।

किया सम्मानित

विजेता खिलाडियों को मुख्य अतिथि एवं गणमान्य लोगों द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया गया। एकेडमी प्रबंधन ने बताया कि 17 मई को आठवीं विशाल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें रस्साकसी, हैंडबॉल और एथलेटिक्स के बड़े मुकाबले होंगे। इस अवसर पर इंद्रजीत समरा, अमनदीप, गुरप्रीत, खुशदीप कौर और बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावक मौजूद रहे।

समाज निर्माण में स्वतंत्र, निष्पक्ष और उत्तरदायी पत्रकारिता की जरूरत: एसपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

दीपक सहारण।

जिला पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर मीडिया के बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सशक्त लोकतंत्र सामाजिक एकता और राष्ट्र की प्रगति में पत्रकारिता की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि एक सशक्त और जागरूक समाज के निर्माण में स्वतंत्र, निष्पक्ष और उत्तरदायी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत आवश्यक है। पत्रकार न केवल सूचनाओं को आदान प्रदान करते हैं, बल्कि वे जनमत के निर्माण, शासन की जवाबदेही सुनिश्चित करने और समाज में पारदर्शिता बनाए रखने के महत्वपूर्ण स्तंभ भी हैं। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व केवल समाचारों का प्रसारण करना ही नहीं, बल्कि सत्य को निर्भीकता के साथ सामने लाना भी है। वर्तमान समय में जब विभिन्न प्रकार की चुनौतियां चाहे वे सामाजिक हों, राजनीतिक हों या तकनीकी हो, तब पत्रकारों का सतर्क, सजग और स्वतंत्र रहना और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

गैस सिलेंडरों के दामों में वृद्धि की निंदा

रिटायर्ड कर्मचारी संघ ने सरकार को घेरा, आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की जिला इकाई ने केंद्र सरकार द्वारा व्यावसायिक और 5 किलो वाले एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में की गई भारी वृद्धि की कड़े शब्दों में निंदा की है। संघ ने इस फैसले को आम आदमी और छोटे व्यापारियों की कमर तोडऩे वाला बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है। रिटायर्ड कर्मचारी संघ के जिला सचिव बेगराज ने कहा कि व्यावसायिक सिलेंडरों की कीमतों में लगभग एक हजार रुपये की अभूतपूर्व वृद्धि का असर व्यापक होगा। उन्होंने चिंता जताई कि व्यावसायिक प्रतिष्ठान इस अतिरिक्त आर्थिक बोझ को अंततः उपभोक्ताओं पर ही डालेंगे, जिससे बाजार में महंगाई का ग्राफ तेजी से बढ़ेगा।

बेरोजगारी की स्थिति होगी पैदा : बेगराज

बेगराज ने चेतावनी दी कि लागत बढऩे के कारण कई छोटे संस्थान बंद होने की कगार पर आ जाएंगे, जिससे बड़े पैमाने पर छंटनी और बेरोजगारी की स्थिति पैदा होगी। बेगराज ने विशेष रूप से 5 किलो वाले गैर-सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमतों में 261 की वृद्धि पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि हालांकि 14 किलो के घरेलू सिलेंडरों को फिलहाल इस बढ़ोतरी से बाहर रखा गया है, लेकिन 5 किलो वाले सिलेंडर की कीमत बढ़ाना सीधे तौर पर गरीब तबके पर हमला है। यह वृद्धि सबसे अधिक छोटे परिवारों और उन प्रवासी श्रमिकों को प्रभावित करेगी जो अपनी आर्थिक स्थिति के कारण बड़ा सिलेंडर खरीदने में सक्षम नहीं हैं। संघ का कहना है कि गैस सिलेंडरों की किल्लत और लगातार बढ़ती कीमतों के कारण हजारों प्रवासी मजदूर पहले ही पलायन कर चुके हैं और अब इस ताजा वृद्धि के बाद स्थिति और भी गंभीर हो जाएगी। बेगराज ने आरोप लगाया कि पिछले दो महीनों में मोदी सरकार द्वारा व्यावसायिक सिलेंडरों के दामों में यह दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है।

ट्रैफिक पुलिस का एक्शन : नियमों की अनदेखी पर कार्रवाई

27 वाहनों के चालान, 70 हजार रुपये जुर्माना वसूला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

सडक़ हादसों पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए रतिया पुलिस अब पूरी तरह से एक्शन मोड में नजर आ रही है। रविवार को रतिया के मुख्य चौराहों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले 27 वाहनों के चालान काटे, जिनसे करीब 70 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। फतेहाबाद से आए ट्रैफिक इंचार्ज नवाब सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शहर के व्यस्ततम संजय गांधी चौक और भगत सिंह चौक सहित कई अन्य संवेदनशील स्थानों पर नाकेबंदी की। इस दौरान बिना हेलमेट, बिना नंबर प्लेट, अधूरे दस्तावेजों और यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों में हडक़ंप मचा रहा।

रतिया। वाहनों के चालान काटते ट्रेफिक पुलिस कर्मचारी।

लोगों को जागरूक करना उद्देश्य

कुल 27 चालानों में से केवल 2 बुलेट मोटरसाइकिलों के ही 22,500 रुपये के चालान काटे गए। नियमों की गंभीर अनदेखी करने पर 2 बुलेट मोटरसाइकिल और एक स्कूटी को मौके पर ही इम्पाउंड कर लिया गया। ट्रैफिक इंचार्ज नवाब सिंह ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक नीतिका खट्टर के सख्त आदेश हैं कि ट्रैफिक नियमों से कोई समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य राजस्व एकत्रित करना नहीं, बल्कि लोगों को सडक़ सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाना है। बिना हेलमेट और बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाना न केवल गैरकानूनी है, बल्कि जानलेवा भी हो सकता है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि यह अभियान केवल एक दिन के लिए नहीं है, बल्कि आने वाले दिनों में भी निरंतर जारी रहेगा। पुलिस ने आम जनता और विशेष रूप से युवाओं से अपील की है कि वे दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करें। पुलिस ने इस अभियान के दौरान बुलेट मोटरसाइकिलों पर विशेष रूप से पटाखा छोड़ने वाले शिकंजा कसा।

खबर संक्षेप

बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

सिरसा। बहुजन समाज पार्टी की लोकसभा सिरसा की एक महत्वपूर्ण बैठक अग्रवाल कॉलोनी स्थित प्रकाश भवन में हुई। बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत करने, आगामी राजनीतिक रणनीति तय करने तथा बूथ स्तर तक संगठन के विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्यातिथि डॉ. मेघराज सिंह ने कहा कि बसपा की मजबूती ही बसपा के सम्मान और अधिकारों की गारंटी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव और बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाएं। कृष्ण जमालपुर ने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए सभी पदाधिकारी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें। आगामी चुनावों को देखते हुए संगठनात्मक ढांचे को और अधिक सक्रिय करने पर जोर दिया। इस अवसर पर गुरदीप सिंह कंबोज, मास्टर रामभगत, धर्मपाल कनौदा, रामकुमार बेगू आदि मौजूद थे।

30 वर्षों की सेवा के बाद तेजेंद्र सोढ़ी हुए सेवानिवृत्त

सिरसा। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला नंबर-5 के हैड टीचर रहे तेजेंद्र सोढ़ी अपनी 30 वर्ष से अधिक की सरकारी सेवा के पश्चात सेवानिवृत्त हो गए। इस मौके पर प्रिंसिपल मदन मलिक ने कहा कि सरकारी नौकरी सेवा का एक माध्यम है, जो सरकारी सेवा में आता है, उसे सेवानिवृत्ति के पड़ाव से गुजरना ही पड़ता है। उन्होंने कहा कि तेजेंद्र सोढ़ी ने अपने सेवाकाल के दौरान अपनी कार्यशैली व व्यवहार की अमिट छाप छोड़ी, जिसे हमेशा याद किया जाएगा। सेवानिवृत्ति के अवसर पर पारिवारिक सदस्यों के साथ आत्मप्रकाश मेहरा पूर्व ज्वाइंट डायरेक्टर ,शिक्षा विभाग, हरियाणा, पूर्व जिला शिक्षाधिकारी बूटा राम, जिला परियोजना समन्वयक कृष्ण कुमार, उप जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार, प्रिंसिपल मदन मलिक, प्रदीप मदान, देवकीनंदन और स्टाफ के सदस्यों में महावीर, वेदपाल, सुरेश, भूपेश, भूप, पूजा, टीना, सुनीता, सोमनाथ, अर्चना, सुमन और मोनिका भी उपस्थित रहे।

योगीजन करते हैं व्यक्त अव्यक्त स्वरूपों का दर्शनः रवि कुमार

ओढां। ब्रह्मविद्या योग आश्रम रोहिड़ांवाली में मासिक सत्संग में साधक रवि कुमार ने श्रद्धालुओं को प्रवचन दिए। उन्होंने कहा कि व्यक्त संसार और अन्तरिक्ष या आत्मा में स्वच्छन्द गति से अपनी इच्छानुसार अव्यक्त रूप से प्रकट होकर उपदेश देते हैं। अव्यक्त रूप में उनके शब्द स्पष्ट प्रकट होते हैं, जिन्हें उनके आत्मसमर्पित भक्त अनन्य शरण अधिकारी जानते हैं। उनकी देह प्रकृति की नहीं होती. बल्कि आत्मिक शुद्ध चेष्टा से ही प्रकृति में उनके स्वरूप का दर्शन होता है। उनके व्यक्त और अव्यक्त दोनों स्वरूपों का दर्शन योगीजन करते हैं, यह अनुभव सिद्ध निर्भांत-वचन है। अनुरागी अनुभवी साधकों को इसका पूर्ण ज्ञान है। यह अलभ्य दर्शन सद्गुरु पदाधिकारी आचार्य पद को पूर्ण करने के लिए भी प्रकट होता है। बिना दर्शन के गुरु पद नहीं प्राप्त होता। गुरु ही गुरु बनाता है। ऐसा जो दृश्य-अदृश्य सर्व स्थानों पर प्रकट होता है, वह नित्य पुरुष कौन है? इस अवसर पर साधुराम, लखमी वर्मा सहित अनेक साधक उपस्थित रहे।

मई माह का पहला पखवाड़ा इस बार सामान्य से अलग, गर्मी पड़ी सुस्त

फतेहाबाद में पारा 4 डिग्री गिरा

दिनभर चली तेज हवाओं और आंधी से लू के तेवर पड़े ढीले

- इस बार पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता के कारण मौसम बार-बार ले रहा करवट

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

जिले में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है और इसका सीधा असर तापमान पर देखने को मिल रहा है। रविवार को दिनभर चली धूलभरी आंधी और तेज हवाओं ने भीषण गर्मी के तेवर ढीले कर दिए। दिनभर चली तेज हवाओं के कारण जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। भारतीय मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार शनिवार को अधिकतम तापमान 40.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 28.0 डिग्री दर्ज किया गया था। वहीं रविवार को मौसम में अचानक बदलाव आया और अधिकतम तापमान करीब 3 से 4 डिग्री गिरकर 37 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जबकि रात का तापमान भी घटकर 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अप्रैल के अंतिम दिनों में चली तेज हवाएं, आंधी और हल्की बूंदाबांदी ने पहले ही गर्मी की रफ्तार को थाम दिया था। अब मई के शुरुआती दिनों में भी मौसम इसी तरह राहत देने वाला बना हुआ है। धूलभरी आंधी के चलते दिन में धूप का असर कम हुआ, जिससे लोगों को लू जैसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा। हालांकि आंधी के कारण कुछ समय के लिए जनजीवन जरूर प्रभावित हुआ। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मई का पहला पखवाड़ा इस बार सामान्य से अलग रहने वाला है। आमतौर पर इस समय तक तापमान तेजी से बढ़ने लगता है और लू का असर दिखने लगता है, लेकिन इस बार पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता के कारण मौसम बार-बार करवट ले रहा है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक 3 मई से लेकर 14 मई तक एक के बाद एक पांच पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होंगे। 3 मई के बाद आज 4 मई, 8 मई, 11 मई और 14 मई को ये सिस्टम प्रभाव दिखाएंगे। इनके चलते क्षेत्र में बार-बार बादलों की आवाजाही, तेज हवाएं, धूलभरी आंधी और कहीं-कहीं हल्की बारिश की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। यही कारण है कि मई के पहले 10 से 14 दिनों तक भीषण गर्मी पडने की संभावना कम मानी जा रही है।

फतेहाबाद। जाखल क्षेत्र में आंधी से ट्रांसफार्मर पर गिरा पेड़। फोटो : हरिभूमि

मई में झुलसाने वाली गर्मी से राहत के पूरे आसार

मौसम वैज्ञानिक डॉ. चंद्रमोहन के अनुसार वर्तमान में प्रशांत महासागर क्षेत्र में ईएनएसओ यानि एल नीनो-दक्षिणी दोलन तटस्थ स्थिति से अल नीनो की ओर बढ़ रहा है। हालांकि दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान इसके विकसित होने के संकेत हैं, फिर भी अनुमान है कि मानसून अपने निर्धारित समय पर ही पहुंचेगा। फिलहाल मई में झुलसाने वाली गर्मी से राहत मिलने के पूरे आसार बने हुए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बार-बार सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ तापमान को नियंत्रित रखने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इनके प्रभाव से दिन के तापमान में अचानक उछाल नहीं आ रहा, जबकि रात के तापमान में भी सीमित बढ़ोतरी या गिरावट देखने को मिल रही है। आने वाले दिनों में भी मौसम का यह उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। बीच-बीच में तेज हवाएं और आंधी चलने से गर्मी का असर कम महसूस होगा, लेकिन पूरी तरह राहत की उम्मीद नहीं की जा सकती। मई के दूसरे पखवाड़े में तापमान धीरे-धीरे बढना शुरू हो सकता है। कुल मिलाकर फिलहाल फतेहाबाद और आसपास के इलाकों में मौसम राहत भरा बना हुआ है। धूलभरी आंधी और हवाओं ने जहां गर्मी पर ब्रेक लगाया है, वहीं पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता ने मई के पहले पखवाड़े को अपेक्षाकृत सुहाना बना दिया है। ऐसे में लोगों को अभी कुछ दिनों तक भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

40 एकड़ में गेहूं के अवशेष जलकर राख

खेत मालिक के बेटे पर आगजनी का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

शहर टोहाना में सिम्बल वाला रोड पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब खेतों में खड़ी गेहूं की कटाई के बाद बचे अवशेषों यानि फानों में भीषण आग लग गई। तेज हवाओं के कारण देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 40 एकड़ में फैला भूसा जलकर खाक हो गया। ग्रामीणों ने सीधे तौर पर खेत मालिक के बेटे पर जानबूझकर आग लगाने का आरोप लगाया है। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शी कर्मी सैनी ने बताया कि शनिवार को हवा बहुत तेज थी, जिसके कारण आग तेजी से फैलती चली गई। उन्होंने बताया कि आग की लपटें रिहायशी इलाकों, मशरूम फार्म और पशुओं के बाड़ों की तरफ बढ़ रही थीं। यदि ग्रामीण समय रहते सक्रिय न होते, तो जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता था।

प्रशासन व फायर ब्रिगेड पर उठाए सवाल

बुजुर्ग किसान राजेंद्र सिंह ने प्रशासन और फायर ब्रिगेड की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सूचना देने के करीब डेढ़ घंटे बाद दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। इस देरी के बीच ग्रामीणों ने खुद मोर्चा संभाला और करीब 10 से 12 ट्रैक्टरों की मदद से मिट्टी डालकर और अन्य देशी साधनों से आग पर काबू पाने की कोशिश की। लगभग आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को और आगे फैलने से रोका जा सका। आग की लपटें एक खेत में बने कमरे तक भी पहुंच गई थीं, जिसे ग्रामीणों ने बड़ी मुश्किल से बचाया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और पुलिस टीम मौके पर पहुँची। पुलिस अधिकारी रघुबीर सिंह ने कहा, ग्रामीणों द्वारा एक युवक पर आग लगाने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस इन आरोपों की गंभीरता से जाँच कर रही है।

पुलिस ने तीन हेरोइन तस्कर दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭| सिरसा

पुलिस ने जिले क्षेत्र से तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हेरोइन बरामद की है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों की पहचान सिरसा निवासी अर्जुन, शेर सिंह व मदन लाल के रूप में हुई है। सीआईए सिरसा प्रभारी सुखजीत सिंह ने रविवार को बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान चाड़ीवाल से होते हुए गांव दड़बा कलां की तरफ जा रही थी। इस दौरान पुलिस टीम जब नहर पुल गांव दड़बा कलां के नजदीकी पंहुची तो नहर पुल पर दो युवक बैठे थे जो कि पुलिस को देखकर बाइक पर सवार होकर वहां से भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने शक के आधार पर बाइक सवार दोनों युवकों को काबू कर तलाशी ली तो उनके कब्जे से सात ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम ने ऐलनाबाद क्षेत्र से बाइक सवार मदन लाल को हेरोइन सहित दबोचा है। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी ने पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि हुडा सेक्टर में एक युवक नशा बेचने की फिराक में है। पुलिस ने सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए हुडा सेक्टर से बाइक सवार एक युवक को काबू कर लिया। आरोपी युवक के कब्जे से छह ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपियों के खिलाफ संबंधित पुलिस थानों में मामला दर्ज किया गया है।

सिरसा। पकड़े गए हेरोइन तस्कर। फोटो : हरिभूमि

आमजन व युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया

नशा मुक्ति अभियान तेज, 5 नए पीड़ित चिन्हित और तीन अस्पताल में दाखिल

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

जिला पुलिस द्वारा रविवार को फतेहाबाद, रतिया और टोहाना सहित विभिन्न क्षेत्रों में नशा पीड़ितों की काउंसलिंग, उपचार और जन-जागरूकता के लिए विशेष गतिविधियां संचालित की गई। इस अभियान के दौरान जिले में 5 नए ड्रग पीड़ितों की पहचान की गई, जिनमें से 3 को उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद ने उपनिरीक्षक सुंदर के नेतृत्व में नागरिक अस्पताल फतेहाबाद और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतिया का दौरा किया। टीम ने वहां पहले से उपचाराधीन पीड़ितों से मुलाकात कर उनकी दोबारा काउंसलिंग की ताकि उन्हें मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित किया जा सके। इस दौरान फतेहाबाद शहर से 2, रतिया से 2 और बलियाला क्षेत्र से 1 नए ड्रग पीड़ित को चिन्हित किया गया। इनमें से रतिया के 3 मरीजों को तुरंत सीएचसी में दाखिल कराया गया। इसके अलावा, चिन्हित किए गए अन्य 2 पीड़ितों और 10 उपचाराधीन मरीजों को आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक दवाएं वितरित की गईं।

फतेहाबाद। युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करते उपनिरीक्षक सुंदर।

टोहाना में जागरूकता और चिकित्सा सहायता पर जोर

अभियान के तहत दूसरी टीम ने उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के नेतृत्व में नागरिक अस्पताल टोहाना में मोर्चा संभाला। टीम ने अस्पताल के चिकित्सकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें नशा मुक्ति ओपीडी में बढ़ती मरीजों की संख्या और उनके बेहतर उपचार पर चर्चा की गई। टोहाना में 15 युवाओं को अस्पताल के माध्यम से आवश्यक दवाएं उपलब्ध करवाई गई और एक गंभीर मरीज को दाखिल कराया गया। उपचार के साथ-साथ जागरूकता पर जोर देते हुए इआरवी 221 की मदद से टोहाना की अनाज मंडी और इंदिरा कॉलोनी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया गया। पुलिसकर्मियों ने आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया और युवाओं को इस दलदल से दूर रहने की शपथ दिलाई।

पति-पत्नी पर हमला, दो भाइयों समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

जिले के गांव हिजरावां कलां में बाइक पर जा रहे एक दंपति को रोककर उनके साथ मारपीट करने और चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। सदर थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर दो सगे भाइयों सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव हिजरावां कलां निवासी रवि ने बताया कि उसका गांव के ही ओमप्रकाश के साथ पैसों का लेनदेन चल रहा है। आरोप है कि ओमप्रकाश बार-बार कहने के बावजूद उसके पैसे नहीं लौटा रहा था। रवि के अनुसार, 30 अप्रैल को पुलिस उसके भाई सोनी राम को किसी मामले में पकडने आई थी, जिसे देख ओमप्रकाश वहां खड़े होकर हंसने लगा। इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी और हाथापाई हुई थी, जिसे रवि के पिता महलाराम ने बीच-बचाव कर शांत करवा दिया था।

चाकू से किया वार, पत्नी से भी की हाथापाई

पीड़ित का आरोप है कि पम्मा और भोला ने उसे पकड़ लिया और थप्पड़ मारे, जबकि ओमप्रकाश ने हाथ में लिए छोटे चाकू से उस पर वार कर दिया। यह वार रवि के बाएं हाथ की हथेली पर लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जब उसकी पत्नी स्वर्ण कौर ने उसे बचाने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। रवि ने शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि पास ही खड़े एक व्यक्ति ने भी आरोपियों को चोट मारने के लिए उकसाया। घटना के बाद घायल रवि को उसकी पत्नी ने तुरंत फतेहाबाद के नागरिक अस्पताल पहुंचाया। सदर थाना प्रभारी प्रहलाद सिंह ने आरोपी ओमप्रकाश, पम्मा और भोला राम के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि एक दिन पहले ही आरोपी ओमप्रकाश ने भी रवि के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस दोनों पक्षों के दावों की पड़ताल कर रही है।

जमीनी विवाद में विधवा के घर घुसकर हमला जेठ-देवर समेत 15 लोगों पर मुकदमा दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

जिले के भूना क्षेत्र के गांव चौबारा में जमीनी विवाद को लेकर एक विधवा महिला के साथ मारपीट और घर में तोडफ़ोड़ करने का गंभीर मामला सामने आया है। इस घटना में महिला, उसके बुजुर्ग पिता और बेटे को चोटें आई हैं। पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर उसके जेठ, देवर और उनके बेटों सहित कुल 15 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। भूना थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

पुलिस को दी गई शिकायत में गांव चौबारा निवासी मंजू ने बताया कि वह मिड-डे-मिल वर्कर के रूप में काम करती है। उसके पति का करीब चार साल पहले हृदय गति रुकने से निधन हो गया था। मंजू के अनुसार, पति की मृत्यु के बाद से ही उसके ससुराल पक्ष के लोगों के साथ जमीनी विवाद चल रहा है। ससुराल पक्ष के लोग उस पर तरह-तरह के गलत आरोप लगाकर उसे परेशान करते रहते हैं। इसी विवाद के चलते उसने अपने देवर सतबीर के खिलाफ पहले भी पुलिस में शिकायत दे रखी थी। पीड़ित महिला ने बताया कि 2 मई को इस विवाद के सिलसिले में उन्हें थाने बुलाया गया था। उस समय हिसार के गांव धांसू से उसके माता-पिता भी आए हुए थे। मंजू का आरोप है कि जब वह घर का काम कर रही थी, तभी आरोपियों ने संगठित होकर उसके घर पर धावा बोल दिया। आरोपियों में देवीलाल, दीवान, राजबीर, महेंद्र, बलराज, धर्मबीर, बबलू, आजाद, अक्षय, ओमप्रकाश उर्फ फौजी, सतबीर, राजमल, रविंद्र, बलवंत और गोलू शामिल थे।

गांव में नहीं बसने की दी धमकी

शिकायत के अनुसार, राजबीर ने घर में घुसते ही धमकी दी कि चाहे 20 लाख रुपये खर्च हो जाएं, वे उसे गांव में बसने नहीं देंगे। मंजू ने बताया कि जब उसने पंचायत के सामने न्याय की गुहार लगाई, तो उसके देवर रविंद्र ने उसे जमीन पर गिरा दिया और सभी आरोपियों ने एक साथ मिलकर उस पर हमला कर दिया। मंजू ने आरोप लगाया कि जब उसके पिता रणबीर और बेटा मनीष बीच-बचाव करने आए, तो आरोपियों ने उन्हें भी बुरी तरह पीटा और घर के सामान में तोडफ़ोड़ की। शोर मचने पर पड़ोसी इक_ा होने लगे, तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद पीड़िता ने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचित किया। पुलिस टीम के मौके पर पहुंचने के बाद तीनों घायलों को उपचार के लिए भूना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर पीड़िता के बयान दर्ज किए और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

न्यूज डायरी

गऊ, गंगा, गीता की संस्कृति को समर्पित है वर्तमान भाजपा सरकार : यतींद्र सिंह

सिरसा। भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट यतींद्र सिंह द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की गोशालाओं को एक करोड़ 90 लाख रुपए की अनुदान राशि के चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम में उन्होंने शहर की 10 गौशालाओं को चेक वितरित किए। इस अवसर पर एडवोकेट यतींद्र सिंह ने कहा कि वर्तमान सरकार गऊ, गंगा और गीता की संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद सरकार ने केवल गोवंश के संरक्षण की बात ही नहीं की, बल्कि इसके लिए बजट में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है। उन्होंने बताया कि पहले जहां गो सेवा आयोग का बजट लगभग 2 करोड़

एनसीईआरटी की किताबों का इस्तेमाल करें विद्यार्थी : सैनी

सिरसा। बाबा सरसाईनाथ बुक बैंक का वर्ष 26-27 का चौथा पुस्तक वितरण समारोह गौशाला में आयोजित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष गुरदीप सैनी ने कहा कि बुक बैंक पिछले 5 वर्ष से 15 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित कर चुका है, जिसमें पाठ्य पुस्तकों, निशुल्क चश्मा, स्टेशनरी, स्कूल शूज, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें वितरित की गई हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि एनसीईआरटी की बुक्स का ही इस्तेमाल करें इसी में से सभी प्रतियोगी परीक्षा के प्रश्नपत्र सेट किए जाते हैं। अनिल सैनी ने बताया कि रविवार को कक्षा नौवीं से लेकर 12वीं कक्षा के 45 विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों के सेट तथा 02 विद्यार्थियों को निःशुल्क वर्दी के साथ-साथ दो विद्यार्थियों को स्कूल शूज प्रदान किए।

धरे रह गए हरियाणा में 24 घंटे बिजली आपूर्ति के दावेः सैलजा

हरिभूमि न्यूज ⏭| सिरसा

सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में बढ़ते बिजली संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे हैं। सांसद ने कहा कि गर्मी की शुरुआत में ही प्रदेश के कई हिस्सों में लंबे-लंबे बिजली कट लग रहे हैं, जिससे आम जनता, किसान और उद्योग सभी प्रभावित हो रहे हैं जबकि सरकार ने 24 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा किया था। सांसद ने कहा कि जब पहले से ही ट्रांसफार्मरों के ओवरलोड होने और बिजली लाइनों के जर्जर होने की जानकारी सरकार के पास थी, तो समय रहते आवश्यक सुधार क्यों नहीं किए गए। बिजली निगम के अधिकारी प्यास लगने पर ही कुआं क्यों खोदते हैं, इससे अधिकारियों की प्यास तो बुझ जाती है पर उन्हें जनता को होने वाली परेशानी का आभास तक नहीं होता। ऐसे लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए, उन्हें इस बात को भी अहसास होना चाहिए कि वे एक अधिकारी होने से पहले जनता के सेवक हैं। सांसद ने पूछा कि क्या सरकार के पास आने वाले महीनों में बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने की कोई ठोस योजना है या प्रदेश को बड़े संकट की ओर धकेला जा रहा है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

समस्या | भूना में बिजली संकट गहराया, विजिलेंस जांच की मांग तेज

शहरी फीडर नंबर एक व दो पर नियमों से विपरीत फैक्ट्रियों और ग्रामीण ढाणियों के जुड़ने पर बढ़ा लोड

स्थानीय समाधान पर एक्सईएन की आपत्ति, हजारों उपभोक्ता झेल रहे परेशानी

दलबीर सिंह ⏭| भूना

220 केवी सब स्टेशन सिंथला से शहर भूना के फीडर नंबर 1 व 2 की बिजली सप्लाई को बड़े औद्योगिक इकाइयों और ग्रामीण क्षेत्र के साथ जोड़ने के बाद शहर की बिजली व्यवस्था पर असर साफ नजर आने लगा है। पिछले कई दिनों से लंबे-लंबे बिजली कट लग रहे हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। गर्मी के मौसम में बार-बार बिजली गुल होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय स्तर पर समस्या के समाधान के प्रयास भी अटक गए हैं।

जानकारी के अनुसार कनिष्ठ अभियंता से लेकर उप मंडल अभियंता तक ने बिजली लाइनों में बदलाव कर स्थायी समाधान के लिए एस्टीमेट तैयार किए थे, लेकिन कार्यकारी अभियंता ने इन प्रस्तावों पर आपत्ति लगाकर रद्द कर दिया। ऐसे में जहां एक ओर स्थानीय अधिकारी समाधान निकालने में जुटे हैं, वहीं उच्च अधिकारी की आपत्तियों के चलते सुधार कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। इसका खामियाजा शहर के फीडर नंबर 1 व 2 से जुड़े हजारों उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि फीडरों पर अचानक बढ़े लोड के कारण वोल्टेज की समस्या बढ़ गई है और जर्जर तारों के चलते सप्लाई अनियमित हो गई है।

बार-बार ट्रिपिंग और कटौती ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। नगर पालिका के वाइस चेयरमैन नरेंद्र बागड़ी ने बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उच्च अधिकारियों ने मोटी सेटिंग के तहत बड़ी फैक्ट्रियों और ग्रामीण क्षेत्र को शहरी फीडर से जोड़ दिया है। इससे शहर के उपभोक्ताओं को नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने इस मामले की विजिलेंस जांच कराने और शहर के लिए अलग व नियमित बिजली सप्लाई सुनिश्चित करने की मांग की है। इधर, शहरवासियों में बढ़ती नाराजगी अब आंदोलन का रूप लेने लगी है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा। अब देखना यह होगा कि विभाग इस बढ़ते असंतोष के बीच क्या कदम उठाता है।

पुनः भेजा जाएगा एस्टीमेट

इस संबंध में कार्यवाहक एसडीओ कुलदीप सिंह ने बताया हमने बिजली समाधान के लिए कई बार एस्टीमेट बनाकर स्वीकृति के लिए एक्सईएन टोहाना के पास भेजे जा चुके हैं। इन पर आपत्ति लगाई जा चुकी है उपरोक्त आपत्तियों को दूर करके पुनः एस्टीमेट भेजा जाएगा। जबकि एक्सईएन कृष्ण कुमार से बार-बार संपर्क किया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।